सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, गुरुवार, 04 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 323, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

पूर्व सांसद धनंजय के साथ हत्या के प्रयास के आरोपी आलोक पर भी कसा जा रहा शिकंजा

इनसाइड एफआईआर दर्ज, मगर आरोपी अब भी पकड़ से... » Pg02

महादेव ऐप की तर्ज पर चल रहे रैकेट का साम्राज्य ध्वस्त

खेलो यार का भंडाफोड़, इस्तीफों से मचा हड़कंप

50 लाख में फ्रेंचाइजी लेकर चला रहे थे 40 हजार करोड़ का रैकेट, सात गिरफ्तार, कांग्रेस के निशाने पर पीएमओ के खास

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पलामू/नई दिल्ली। पलामू पुलिस ने दुबई में चल रहे 40 हज़ार करोड़ के बेटिंग रैकेट को पकड़ा है। पकड़े गए सात में से चार लोग बिहार के हैं। इस गिरोह का मास्टरमाइंड भी बिहार के औरंगाबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, यह नेटवर्क 'खेलोयार साइट' के माध्यम से सैकड़ों करोड़ रुपये का रोज़ाना ट्रांज़ैक्शन करता था। महादेव बेटिंग ऐप की तर्ज़ पर संचालित यह एक विशाल ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क है।

पलामू पुलिस ने हुसैनाबाद में छापेमारी कर सातों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क का संचालन छत्तीसगढ़ के भिलाई से और सर्वर का दुबई से हो रहा था। कुछ दिन पहले हुसैनाबाद में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर की गई कार्रवाई में सभी युवकों को पकड़ा गया और पूछताछ में 'खेलोयार साइट' का कनेक्शन सामने आया। पलामू में पकड़े गए आरोपियों के अनुसार, यहाँ से प्रतिदिन 5 से 7 लाख रुपये तक का ट्रांज़ेक्शन किया जाता था। इस नेटवर्क से 5 से 6 हज़ार सदस्य जुड़े हुए थे। इसी नेटवर्क की अन्य फ्रेंचाइज़ी 50 से 60 लाख रुपये तक का रोज़ाना ट्रांज़ेक्शन करती हैं। नेटवर्क का मास्टरमाइंड बिहार के औरंगाबाद का राजन कुमार सिंह और छत्तीसगढ़ के भिलाई का शेल्वी उर्फ मनीष है। मनीष अभी फरार है। पुलिस उसको गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

हजारीबाग की सूचना बनी आधार

पलामू पुलिस को कुछ दिन पहले हजारीबाग पुलिस ने इस सूचना को साझा किया था। हजारीबाग पुलिस ने बताया था कि कुछ संदिग्ध लोग म्यूल अकाउंट खुलवाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सूचना के बाद पलामू पुलिस ने पूरे नेटवर्क पर निगरानी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप यह नेटवर्क उजागर हुआ। नेटवर्क बड़े पैमाने पर म्यूल बैंक अकाउंट, क्रिप्टो वॉलेट और हवाला चैनल का उपयोग करता था। दुबई में बैठा प्रमोटर प्रत्येक फ्रेंचाइज़ी को ट्रांज़ेक्शन का 30 त्न कमीशन देता था।

किराया पर लेते थे म्युल खाता

फ्रेंचाइजी अपने संचालन के लिए 10 से 15 म्युल बैंक खातों का उपयोग करते हैं। इन खाते को सिर्फ एक महीने के लिए किराया पर लिया जाता है। एक महीना उपयोग करने के बाद उसे मूल खाते धारक को लौटा दिया जाता है। पुलिस के अनुसार, मास्टरमाइंड शेल्वी उर्फ मनीष और राजन कुमार सिंह पहले पुणे तथा अन्य बड़े शहरों में कई बेटिंग ऐप से जुड़े हुए थे। इस दौरान उन्होंने वहीं पर प्रशिक्षण लिया और बाद में दुबई के प्रमोटर के साथ मिलकर अपना नेटवर्क स्थापित कर लिया। दोनों, ग्रामीण क्षेत्रों से नौकरी की तलाश में बाहर गए, कम पढ़े-लिखे और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को फ्रेंचाइज़ी देते थे और फिर बेटिंग ऐप के माध्यम से साइबर फ्रॉड करवाते थे।

साइट के दुबई में सर्वर

खेलोयार साइट के सभी सर्वर दुबई में स्थित हैं, लेकिन इसका नेटवर्क भारत के कई शहरों में फैला हुआ है। पुलिस के अनुसार, इसका अनुमानित अवैध कारोबार लगभग 40 हज़ार करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है। ट्रांज़ेक्शन के लिए क्रिप्टोकरेंसी और हवाला का उपयोग किया जाता था, जिससे धन के प्रवाह का पता लगाना कठिन हो जाता है।

क्या है महादेव बेटिंग ऐप?

दुबई से संचालित ये ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप पिछले 4 साल में 50,000 करोड़ रुपए का कारोबार कर चुकी है। ईडी-सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ कि इसके मालिक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने छत्तीसगढ़ से लेकर गोवा-दुबई तक नेताओं, पुलिस वालों और बड़े अफसरों को हवाला के ज़रिए पैसे बांटे। प्रमोशन के लिए बॉलीवुड सेलेब्स की शादियां तक स्पॉन्सर कीं।

सरकार का साफ जवाब अब जरूरी है: पवन खेड़ा

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर आरोप लगाए। पवन खेड़ा ने कहा कि इस मामले में सरकार का साफ जवाब जरूरी है, क्योंकि अब पीएमओ पर 'बहुत बड़ा सवाल' खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा, देश को जानने का अधिकार है कि उनके बिजनेस पार्टनर कौन हैं। पीएमओ में बैठकर हिरेन जोशी कौन सा बिजनेस कर रहे थे। कौन सा बेटिंग ऐप, क्या था, जिसमें उनकी हिस्सेदारी है? अगर सरकार जल्द स्पष्टीकरण नहीं देती तो ये बातें चलती रहेंगी, चाहे वे कितने भी ऐप बंद कर दें।

जोशी व सहगल का इस्तीफे से चर्चाओं का बाजार गरम

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के लिए मीडिया मैनेजमेंट संभालने वाले हिरेन जोशी गायब बताये जा रहे हैं। वह प्रधानमंत्री कार्यालय में कम्युनिकेशंस और आईटी के ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) हैं। उनके बदले अब सारे काम मंत्री अश्विनी वैष्णव देखेंगे। करीब 20 सालों तक मोदी के साथ रहने वाले हीरेन जोशी का अलग होने की घटना को मिर्च-मसाले के साथ परोसा जा ही रहा था कि प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल का इस्तीफा सामने आ गया।

इससे पहले हिरेन जोशी के मित्र हितेश जैन से भी इस्तीफा लिया गया था। वह लॉ कमीशन में सदस्य थे। इन घटनाओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं है और सोशल मीडिया पर की जा रही टिप्पणियां बंटी हुई है। पहले बात हिरेन जोशी की। उनपर मीडिया को दबाने और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। लेकिन पिछले दिनों कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उन पर पीएमओ से निजी बिजनेस चलाने के आरोप लगाये। एक बेटिंग ऐप में उनकी हिस्सेदारी, दुबई में रहने वाले तिहारवाला से संबंध से लेकर अमेरिका समेत कई विदेशी यात्राओं के दौरान संदिग्ध में बैठकों में शामिल होने के आरोप लगे हैं।

बेटिंग ऐप के बारे में बताया जा रहा है कि दुबई से संचालित यह ऐप ऑनलाइन सट्टेबाजी पिछले 4 साल में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार कर चुकी है। जांच में खुलासा हुआ कि इसके मालिक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने छत्तीसगढ़ से लेकर गोवा-दुबई तक नेताओं, पुलिस वालों और बड़े अफसरों को हवाला के जरिए पैसे बांटे। प्रमोशन के लिए बॉलीवुड सेलेब्स की शादियां तक स्पॉसर की। अब जांच की आंच दिल्ली तक पहुंच गई है। हितेश जैन (लॉ कमीशन मेंबर) के बारे में बताया जा रहा है कि अप्रैल 2025 में उनकी नियुक्ति हुई थी। वह हिरेन जोशी के कथित करीबी थे। सोशल मीडिया पर आरोप लगाया जा रहा है कि लॉ कमीशन के जरिए बेटिंग कानूनों में ढील दिलाने की कोशिश उन्होंने की। अक्टूबर में उनसे इस्तीफा लिया गया। एक दिन के भीतर उनसे आवंटित बंगला भी खाली कराया गया।

नवनीत सहगल ने अचानक से इस्तीफा दिया। वह रिटायर आइएएस अधिकारी हैं। नवनीत सहगल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में खासा महत्व रखते थे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भी करीबी थे, इसलिए लोग उन्हें हर मौसम का अफसर भी कहा करते थे। नवनीत सहगल के इस्तीफे को पीएमओ के ओएसडी हिरेन जोशी को हटाये जाने की घटना से जोड़ करके देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसे सफाई अभियान का एक हिस्सा बताया जा रहा है। तो कुछ लोग इसे पीएम मोदी के लिए बड़ा झटका बता रहे हैं और दावा किया जा रहा है कि दिल्ली में कुछ बड़ा होने वाला है।

निर्मम हत्या

गौरव तिवारी हत्याकांड

एफआईआर दर्ज, मगर आरोपी अब भी पकड़ से दूर

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी थाने के रैकेपुर चौकी के अंतर्गत गौरव तिवारी की हत्या के मामले में पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आखिरकार नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। सचेंडी थाने की पुलिस ने नामजद चारों युवकों की तलाश में कई जगह दबिश मारी, लेकिन अभी

सचेंडी थाना पुलिस ने नामजद मुकदमा रजिस्टर्ड किया, जांच तेज
अभियुक्तों की तलाश में लगातार दबिश के बाद भी पुलिस खाली हाथ

तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी में सफलता नहीं मिली है।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है, लेकिन सभी आरोपी अपने-अपने घरों से फरार हैं। पुलिस का कहना है कि उनकी लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास किए जा रहे हैं और गिरफ्तारी किसी भी समय हो सकती है।घटना को लेकर ग्रामीणों और परिजनों में नाराजगी बनी हुई है। उनका कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी आरोपियों का फरार रहना सुरक्षा और पुलिस की कार्रवाई पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। परिजन अब भी यही मांग दोहरा रहे हैं कि जब तक चारों आरोपी गिरफ्तार नहीं होते, तब तक न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। फिलहाल पुलिस की टीमों की सक्रियता के बावजूद गौरव तिवारी के गुनहगार पुलिस की पकड़ से बाहर हैं, और मामला अभी अधर में लटका है।

गौरव तिवारी (मृतक)

कानून-व्यवस्था को चुस्त करने के लिए एडीजी आलोक सिंह ने की सख्त बैठक

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और सुरक्षा तैयारियों को दुरुस्त करने के मद्देनज़र कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जोन के सभी पुलिस कप्तानों संग उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। एडीजी ने आगामी 06 दिसम्बर को होने वाले महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए मातहतों को कड़े निर्देश जारी किए। 06 दिसम्बर को बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के साथ ही शौर्य दिवस एवं काला दिवस मनाए जाने के कारण प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में एडीजी ने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि मिश्रित आबादी वाले इलाकों में चौकसी किसी भी हाल में ढीली नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। पीस कमेटियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखा जाए। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर तुरंत नजर रखते हुए कार्रवाई की जाए।मिशन शक्ति, साइबर क्राइम नियंत्रण और अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या नागरिकों की पहचान कर कार्रवाई को तेज किया जाए।

बैठक में आईजी झांसी रेंज आकाश कुलहरि, डीआईजी कानपुर रेंज हरीश चंदर, एसएसपी इटावा बृजेश श्रीवास्तव, एसएसपी झांसी बीबीजीटीएस मूर्ति समेत सभी जनपदों के पुलिस कप्तान मौजूद रहे। एडीजी ने दोटूक कहा कि किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी और हर अधिकारी को जिम्मेदारी के साथ मैदान में सक्रिय रहना होगा।

स्कैमर को पकड़ने के लिए युवक ने चतुराई से लगाया तकनीकी दांव

स्कैमर ने अधिकारी बनकर सामान बेचने का दिया झांसा

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

दिल्ली। फेसबुक पर आए एक संदिग्ध संदेश ने राजधानी के एक युवक की सतर्कता और तकनीकी दक्षता को सामने ला दिया। युवक को उसके कॉलेज के सीनियर के नाम से एक संदेश मिला, जिसमें भेजने वाला खुद को आईएएस बताता था और दावा करता था कि उसका परिचित, जो सीआरपीएफ में है, तबादले से पहले सस्ते दामों में सामान बेच रहा है।

युवक को पहले ही शक हो गया, क्योंकि वह असली सीनियर से लगातार संपर्क में रहता था। उसने तत्काल फोन कर पुष्टि की तो पता चला कि पूरा संवाद फर्जी है। इसके बाद युवक ने ठग को सबक सिखाने का निर्णय लिया।

कुछ ही देर में ठग ने एक नए नंबर से सेना की प्रोफाइल लगाकर भुगतान के लिए क्यूआर कोड भेजा। युवक ने बहाना बनाया कि क्यूआर कोड स्कैन नहीं हो रहा और उसी दौरान उसने तकनीकी योजना तैयार कर ली। उसने ऐसी वेब पृष्ठ कोड करवाया, जिसमें लिंक खोलते ही उपयोगकर्ता की जीपीएस स्थिति, आईपी पता और सामने से ली गई

तस्वीर स्वत: प्राप्त हो जाती है। पृष्ठ को होस्ट करने के बाद उसने ठग से कहा कि भुगतान प्रक्रिया में तेजी के लिए वह क्यूआर कोड इसी लिंक पर अपलोड कर दे।

ठग लालच में आकर लिंक पर क्लिक कर बैठा। लिंक खुलते ही उसकी सटीक जीपीएस स्थिति, आईपी पता

और कैमरे से ली गई साफ तस्वीर युवक के पास पहुंच गई। युवक ने तत्काल यह जानकारी और तस्वीर ठग को भेज दी। इतना देखते ही ठग घबरा गया और लगातार संदेश भेजकर क्षमा मांगने

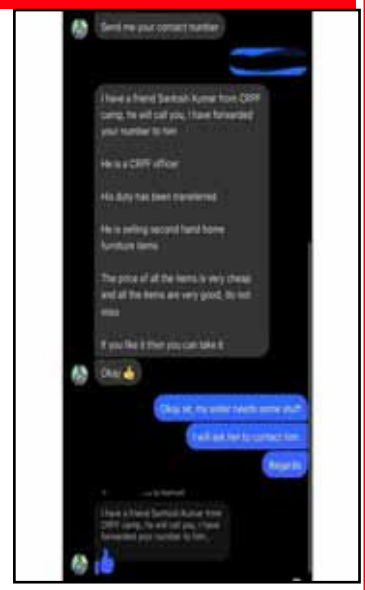

लगा। उसने वादा किया कि वह तुरंत धोखाधड़ी का काम छोड़ देगा।

युवक ने पूरी घटना, तस्वीरें और बातचीत को रेडिट पर फएक स्कैमर का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग किया और उसे मुझसे माफी मांगने पर मजबूर कियाफ शीर्षक से साझा कर दिया। पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। अनेक उपयोगकर्ताओं ने उसकी तकनीकी समझ और एआई के सकारात्मक उपयोग की सराहना की। कई लोगों ने लिखा कि यदि एआई को सही दिशा में प्रयोग किया जाए तो बेहतरीन परिणाम मिलते हैं।

केडीए के जोन-4 में सरकारी जमीन कब्जाने पर बुलडोजर एक्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कदम उठाते हुए जोन-4 में व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। उपाध्यक्ष एवं सचिव के निर्देश पर भूमि बैंक (जोन-4) की टीम ने दो ग्रामों सनिगवों और अहिरवा में प्राधिकरण की जमीन पर हुए अवैध कब्जों को हटाया गया।

अभियान के दौरान ग्राम सनिगवों की आराजी संख्या-86 तथा ग्राम अहिरवों की आराजी संख्या-1296 पर किए गए अतिक्रमण को पूरी तरह समाप्त किया गया।

कुल लगभग 5500 वर्गमीटर भूमि, जिसका बाजार मूल्य लाखों रुपये आँका जा रहा है, कब्जामुक्त कराई गई। अहिरवों में बनाई गई बाउंड्रीवाल और डीपीसी को भी ध्वस्त किया गया। पूरी कार्यवाही जोनल प्रभारी अधिकारी भूमि बैंक (जोन-4) के नेतृत्व में की गई। मौके पर अमीन, केडीए की टीम तथा थाना चकेरी का पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा।

इसके अतिरिक्त आज की कार्रवाई में तहसीलदार अर्चना शर्मा, प्रभारी अधिशासी अभियंता सुधांशु श्रीवास्तव, अवर अभियंता अर्पण सिंह, और अमरनाथ यादव अपनी टीम सहित मौजूद रहे। वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने आम जनता से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति शासकीय भूमि पर कब्जा न करे, ऐसा करने पर कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। केडीए ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्रवाइयाँ आगे भी सतत अभियान के रूप में जारी रहेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ठगी का पर्दा खुला

मास्टरमाइंड दबोचा गया

» 42.29 लाख की कानपुर ठगी का आरोपी रविन्द्र सोनी देहरादून से पकड़ा गया, दुबई में भी काट चुका है 6 माह की जेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के बुजुर्ग और उनके दुबई में कार्यरत बेटे से 42.29 लाख रुपये की ठगी करने वाला दिल्ली निवासी रवीन्द्र नाथ सोनी अब एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी सिंडिकेट का मास्टरमाइंड साबित हो रहा है। साइबर क्राइम की जांच में सामने आया है कि रवीन्द्र भारत, दुबई, अमेरिका समेत कई देशों के 1000 से अधिक लोगों को चूना लगा चुका है। केवल दुबई में ही उसके 200 पीड़ितो की सूची पुलिस को मिली है। वहां उसे छह माह की सजा भी हो चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रवीन्द्र ने 'ब्लूचिप' नाम से एक दर्जन से ज्यादा कंपनियां, बैंक खाते और फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म बनाए थे। तीन साल पहले उसने दुबई में एक और ब्लूचिप टोकन कंपनी भी शुरू की थी। पुलिस को अब इन सभी कंपनियों से जुड़े बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और लेनदेन की विस्तृत जानकारी मिल रही है। साइबर टीम आरोपित के फोन नंबर और उसके सहयोगियों के सीडीआर निकालकर नेटवर्क की गहराई में जांच कर रही है। अब तक की पड़ताल में करोड़ों रुपये की ठगी के सबूत सामने आए हैं। कानपुर में रहने वाले पीड़ित अब्दुल करीम ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। वर्ष 2021 में दुबई में नौकरी कर रहे उनके बेटे तलहा करीम को ब्लूचिप के नाम पर निवेश का झांसा दिया गया और सालभर में 42,29,600 रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। पैसा जैसे ही खाते में गया, वेबसाइट और फोन नंबर बंद कर दिए गए। कोतवाली पुलिस और सर्विलांस टीम ने रवीन्द्र को देहरादून के न्यू डिफेंस इंक्लेव गेट के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जांच में यह भी सामने आया कि उसने दुबई की एक कंपनी के 10.05 मिलियन दिरहम जो भारतीय मुद्रा में करीब 24 करोड़ रुपये हड़प लिए थे। पानीपत, अलीगढ़ और लखनऊ में भी उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के सात से आठ साझेदार होने की संभावना है। पुलिस जल्द दिल्ली जाकर विदेशी पीड़ितों से जुड़े ई-मेल और दस्तावेज भी जुटाएगी। एडीसीपी क्राइम अंजलि विश्वकर्मा ने कहा कि रवीन्द्र का पूरा नेटवर्क खंगाला जा रहा है, और जिन लोगों ने ब्लूचिप के बहाने ठगी की है, सभी को जल्द बेनकाब किया जाएगा। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने कहा कि जिन पीड़ितों के साथ ठगी हुई है, वे थाने या सीधे उनसे मिलकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

ससुरालियों पर जानलेवा हमले का आरोप, थाने पहुंची विवाहिता

दहेज में दो लाख रुपए और सोने की अंगूठी देने की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। नानामऊ गांव की एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर उत्पीड़न व हमले का आरोप लगाते हुए बिल्हौर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता अमिता कश्यप अपनी नौ माह की बच्ची के साथ थाने पहुंची और तहरीर देकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

» प्रेस से दागने और करंट देने तक का आरोप, पुलिस कार्यवाही पर भी उठाए सवाल।

पुलिस में दी गई तहरीर में बताया गया कि अमिता की शादी जून 2023 में बॉगरमऊ निवासी शिवा कश्यप से हुई थी। मायकेवालों के अनुसार, उन्होंने सामर्थ्य अनुसार दहेज दिया, लेकिन कुछ समय बाद घरेलू कलह बढ़ने लगी। अमिता का कहना है कि पति शिवा, सास माया देवी, ससुर हरीशंकर और ननद तुलसी दो लाख रुपये नगद और सोने की अंगूठी की मांग को लेकर लंबे समय से उसे प्रताड़ित कर रहे थे। पीड़िता के मुताबिक, बेटी के जन्म के बाद तनाव और बढ़ गया। उन्नाव में जून 2025 में हुए समझौते के बावजूद हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ गए। अमिता का आरोप है कि पति ने पहले भी उस पर चाकू से हमला करने की कोशिश की थी। अमिता ने बताया कि 26 नवंबर को उसके साथ बर्बरता की हदें पार कर दी गईं। आरोप है कि पति व सास ने उसका गला दबाकर मारने की कोशिश की, ननद ने जलती प्रेस से हाथ दागा और ससुर ने करंट लगाने के बाद सीढ़ियों से धक्का दे दिया। बेहोशी की हालत में उसे कमरे में बंद कर दिया गया।

मायकेवालों को फोन पर धमकी देकर बुलाया गया, लेकिन उनके पहुंचने पर भी उनसे मारपीट की गई। सूचना पर बॉगरमऊ पुलिस मौके पर पहुंची और अमिता को कमरे से बाहर निकाला, लेकिन पीड़िता ने पुलिस पर भी प्रभावी कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है।

अब अमिता ने बिल्हौर थाने में तहरीर देकर ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जानलेवा हमले की धाराओं में सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर कार्रवाई निश्चित होगी।

नशे में धुत लकवाग्रस्त किसान जिंदा जला!

नलकूप की झोपड़ी में अलाव तापते वक्त गिरा था छप्पर

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

नरवाल (कानपुर)। कानपुर में भीतरगांव क्षेत्र के उमरी गांव में बुधवार देर रात ट्यूबबेल में अलाव तापने के बाद चारपाई में सोते वक्त जलती झोपड़ी का छप्पर ऊपर गिरने से किसान जिंदा जल गया। मौके पर सिर्फ हड्डियां ही बची। साढ़ पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर आई। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

आग की लपटों के बीच पड़ा था सुलगता शव

बुधवार रात रज्जन ट्यूबबेल के बाहर अपनी झोपड़ी में अलाव जलाकर चारपाई में सो गया। इसी बीच आग की लपटों ने झोपड़ी और रजाई को चपेट में ले लिया। जलती झोपड़ी चारपाई के ऊपर गिर गई इससे असमर्थ रज्जन उठ नहीं पाया और जिंदा जल गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और ट्यूबबेल मालिक अशोक सचान ने आग की लपटों के बीच सुलगता शव पड़ा देखा।

उमरी निवासी अशोक सचान का ट्यूबवेल गांव बाहर पतारी रोड में है। इसमें छप्पर की झोपडी बनाकर गांव के ही रज्जन विश्वकर्मा (55) रहता था। बीते तीन दिन पहले सोमवार को फॉलिश अटैक होने से बीमार रज्जन चलने फिरने में असमर्थ था। घटना के वक्त शराब के अधिक नशे में भी था। घटना की जानकारी साढ़ पुलिस को दी। साढ़ प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया फायर ब्रिगेड ने आकर आग बुझाई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। बताया मृतक शराब का लती था। इसकी पत्नी, बेटी के साथ मायके मुंबई में रहती हैं। इसके अन्य भाई कानपुर में रहकर प्राइवेट जॉब करते हैं।

पल्लवी क्लासेज में धूमधाम से मनाई गई डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती

छात्र-छात्राओं ने जाने पहले राष्ट्रपति के जीवन मूल्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर। पल्लवी क्लासेज में बुधवार को देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों को जाना। संचालक विशाल चतुर्वेदी ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने आदर्शों, सादगी और उच्च नैतिक मूल्यों से राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा को और ऊँचा किया। सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी निष्ठा आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर 1884 को बिहार में जन्मे डॉ. प्रसाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। वे एक कुशल वकील, शिक्षक, लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी रहे। 1950 से 1962 तक वे देश के प्रथम राष्ट्रपति रहे और दो पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले पहले व्यक्ति बने। कार्यक्रम में मनोज चतुर्वेदी, सारिका, रजनी सहित विद्यार्थी सौम्या, शिवांशु, लक्की, शिवम, अभिराज, लक्ष्य, दीपांशु, हर्षित, अंशी, तलत, तूबा, उजैर, अंश, अर्पित आदि मौजूद रहे।

बिल्हौर: दो नाबालिग किशोरियां रहस्यमय परिस्थितियों में लापता

टीम गठित, पुलिस ने शुरू की खोजबीन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर/कानपुर। थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो अलग-अलग घटनाओं में दो नाबालिग किशोरियों के गायब होने से हड़कंप मच गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर तलाश तेज कर दी है। पहली घटना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां 15 वर्षीय किशोरी पनीर लेने घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास काफी खोजबीन की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिवार ने गांव के ही एक युवक पर किशोरी को बहलाकर ले जाने की आशंका जताई है।

इसी क्रम में पड़ोसी गांव की एक 14 वर्षीय किशोरी भी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों को सुबह उसकी गुमशुदगी का पता चला। शक के आधार पर परिवार ने एक युवक पर उसे अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है।

दोनों मामलों की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। बिल्हौर थाने में अलग-अलग मामले दर्ज कर लिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस टीमें गठित कर संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। सर्विलांस और स्थानीय सूचनाओं की मदद से किशोरियों का पता लगाने की कोशिश जारी है। पुलिस का कहना है कि दोनों किशोरियों को खोज निकालने और आरोपितों पर कार्रवाई करने के लिए अभियान तेज किया गया है।

अरौल में विशेष चेकिंग अभियान, नियम उल्लंघन पर वाहनों के काटे गए चालान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अरौल/बिल्हौर(कानपुर)। एसीपी मंजय सिंह के निर्देश पर अरौल थाना प्रभारी की अगुवाई में शुक्रवार को अरौल रेलवे क्रॉसिंग के पास यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। सुबह से शुरू हुए इस अभियान में पुलिस टीम ने बिना हेलमेट वाहनों, कागजात न होने और यातायात मानकों का उल्लंघन करने वाले चालकों की सघन जांच की। चेकिंग के दौरान नियम तोड़ने वाले कई वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए मौके पर चालान किए गए। पुलिस ने चेतावनी भी दी कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर आगे और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

थाना प्रभारी जनार्दन यादव ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित किया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती देने के लिए ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

सरकारी यू टर्न के बावजूद उठे सवाल

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है। हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था।

निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में 'राइट टू प्राइवेसी' में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है।

अमेरिकी दबाव के बावजूद परवान चढ़ती दोस्ती

ज्योति मल्होत्रा

भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फ़ाइटर जेट और मिसाइल डिफ़ेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड...भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फ़ाइटर जेट और मिसाइल डिफ़ेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है।

इस बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का 4 दिसंबर को दो दिन के वास्ते स्टेट विज़िट पर आना कई मायनों में महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन में युद्ध आरंभ होने के बाद से पुतिन का यह पहला आधिकारिक आगमन होगा। पुतिन, पिछली बार यूक्रेन युद्ध से कुछ माह पहले, दिसंबर 2021 में भारत आए थे। रूसी राष्ट्रपति का रेड-कार्पेट वेलकम साउथ ब्लॉक में किया जाएगा, जहां 23वीं सालाना इंडिया-रूस शिखर बैठक होगी। भारत और रूस के बीच 'स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' है, जिसके तहत एसयू-57 फ़ाइटर जेट और मिसाइल डिफ़ेंस शील्ड एस-500 के एडवांस्ड वर्शन की खरीद पर बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता अमेरिका के साथ किसी भी ट्रेड डील को मुश्किल बना सकता है, जिसने मॉस्को से भारत के हथियारों की खरीद को पीछे धकेल दिया है। ठीक से देखा जाये, तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शक्ति संतुलन सिद्धांत को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बनाये रखना चाहते हैं, लेकिन ट्रंप का हठयोग इस मार्ग में बाधा पैदा कर रहा है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में खत्म होने वाले चार सालों में रूसी हथियारों की खरीद में काफी गिरावट के बावजूद मॉस्को भारत का सबसे बड़ा मिलिटरी हार्डवेयर सप्लायर बना हुआ है। भारत के पास 200 से ज़्यादा रूसी फाइटर जेट और एस-400 डिफेंस शील्ड की कई बैटरी हैं, जिनका इस्तेमाल मई में पाकिस्तान के साथ चार दिन की लड़ाई के दौरान किया गया था। रक्षा मंत्रालय के सूत्र बताते हैं, कि भारत की सेना के पास फाइटर जेट की कमी है, और सरकार से इस कमी को पूरा करने के लिए रूस निर्मित एडवांस्ड फाइटर जेट खरीदने का आग्रह किया है। सूत्र यह भी बताते हैं, कि एसयू -57 जेट में लगी लंबी दूरी की मिसाइलें दक्षिण एशियाई देश को ज़्यादा विज़ुअल रेंज कैपेबिलिटी देंगी। हालांकि, रूस-भारत के बीच हुए समझौते को स्टेट ड्यूमा में मंजूरी मिलनी बाकी है। दो दिन की शिखर बैठक में, दोनों पक्ष डिफेंस कोऑपरेशन, न्यूक्लियर एनर्जी, हाइड्रोकार्बन, स्पेस, टेक्नोलॉजी और ट्रेड पर चर्चा करेंगे।

चेन्नई स्थित मद्रास स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर एनआर भानुमूर्ति के मुताबिक, भारत के लिए 93 मिलियन डॉलर के हथियारों के सौदे को वॉशिंगटन की मंजूरी, महीनों के ट्रेड टेंशन के बाद दोनों पक्षों के बीच रिश्तों में सुधार का संकेत है, और यह अगले साल प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के नई दिल्ली दौरे की संभावित शुरुआत भी है। यूक्रेन शांति समझौते को आगे बढ़ाने के लिए एक हाई पावर्ड अमेरिकी डेलीगेशन मॉस्को में है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के दूत नाम स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर इस हफ़्ते डील की कोशिश के लिए मॉस्को पहुंचे हैं। यूक्रेन में शांति से दिल्ली का फ़ायदा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में भारत पर शुरू में 25 प्रतिशत इंपोर्ट टैरिफ लगाया था, फिर इसे बढ़ाकर 50 फीसद कर दिया। यह टैरिफ दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदने पर पेनल्टी थी। उन्होंने कहा कि यह तेल खरीद यूक्रेन से युद्ध के वास्ते मॉस्को को आर्थिक मज़बूती दे रही थी।

चीनी चुनौती के मुकाबले की क्षमता पर जोर

नौसेना दिवस आज

ज्वाला सिंह दास

वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है।वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना के विध्वंसक आईएनएस राजपूत ने 3 दिसम्बर, 1971 को देर रात विशाखापट्टनम के पास गाज़ी पनडुब्बी पर हमला करके उसे डुबो दिया। इसमें सभी सवार पाकिस्तानी नौसैनिक मारे गए। इसके अगले दिन 4 दिसम्बर, 1971 की रात को ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया गया।

इस अभियान में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर दिया। इसमें भी अनेक पाकिस्तानी नौसैनिकों की जानें चली गईं, लेकिन भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस युद्ध की समाप्ति के बाद अगले वर्ष मई, 1972 में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी सम्मेलन हुआ, जिसमें 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। उसके बाद से भारतीय नौसेना की युद्धक तैयारियां लगातार जारी हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी नौसेना ने अपनी युद्धक तैयारियों को प्रदर्शित करते हुए त्वरित तैयारी, आक्रामक युद्धाभ्यास और हथियारों के सटीक उपयोग के साथ पाकिस्तानी

नौसेना को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया था। उत्तरी हिन्द महासागर में 'कैरियर बैटल ग्रुप' की मौजूदगी ने दबाव बनाकर यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तानी नौसेना अपने तट के समीप या अपने बंदरगाहों के भीतर ही बनी रहे। 'कैरियर बैटल ग्रुप' वह नौसैनिक समूह है जिसमें एक या उससे अधिक विमानवाहक पोत के साथ-साथ अन्य विध्वंसक युद्धपोत, फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल होती हैं। आज भी भारतीय नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री डकैती और अन्य आपात स्थितियों में कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। नौसेना की मुख्य संरचना तीन कमांड मुख्यालयों में विभाजित है। इनमें पूर्वी नौसेना कमांड का मुख्यालय विशाखापट्टनम में है और यह बंगाल की खाड़ी में संचालन का नियंत्रण करती है। दूसरी पश्चिमी नौसेना कमांड का मुख्यालय मुम्बई में है और यह अरब सागर में संचालन का नियंत्रण करती है, और तीसरी दक्षिणी नौसेना कमांड का मुख्यालय कोच्चि में है और यह प्रशिक्षण व तकनीकी कार्यों का संचालन व नियंत्रण करती है। वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है।

भारत की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने चार नवम्बर, 2025 को कहा था कि नौसेना में हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बल का लक्ष्य सन 2035 तक 200 से अधिक युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन करना है। वर्तमान में भारतीय नौसेना तकरीबन 145 युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन कर रही है। भारतीय नौसेना में मानवरहित नौका शामिल की जा रही हैं। इसका नाम मातंगी रखा गया है। इन नौकाओं से नौसेना की निगरानी क्षमता काफी बढ़ जाएगी। इन नौकाओं का निर्माण स्वदेशी कंपनी सागर डिफेंस कर रही है। अभी चार बोट शीघ्र मिलने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसी कुल 12 बोट बनाई जा रही हैं।

बर्रा में मिला शव विपिन तिवारी का निकला, कातिल की तलाश तेज़

हाथ बंधे, चेहरा बोरी में बंद और सिर पर गहरा प्रहार, हत्या की कहानी साफ
सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, कार से शव लाकर फेंके जाने के संकेत

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। बर्रा आठ में पांडव नदी के पास खाली प्लॉट में मिली युवक की लाश की पहचान हो गई है। पुलिस ने पुष्टि की है कि मृतक साढ़ थाना क्षेत्र का रहने वाला विपिन तिवारी था। बर्रा क्षेत्र में बुधवार सुबह बोरी से ढके चेहरे और बंधे हाथों वाला शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। अब शिनाख्त होने के बाद हत्या की पहेली और गहराती दिख रही है।विपिन के शव की दशा बेहद भयावह थी हाथ पीछे से रस्सी से कसकर बंधे थे और चेहरे को बोरी से ढककर ऊपर से पत्थर रखा गया था।

फॉरेंसिक टीम ने जांच में पाया कि सिर के पीछे गहरी चोट के निशान थे।

आशंका है कि हत्यारोपितों ने भारी वस्तु से सिर पर वार कर उसे अचेत किया और फिर गला कसकर हत्या की गई।मौके पर मिले टायरों के निशान और थोड़ी दूरी पर पड़े जूते से यह संकेत मिला है कि हत्या कहीं और की गई और शव को कार से यहां

लाकर फेंका गया। जिस खाली प्लॉट में शव मिला, वहां अधबनी बाउंड्री वॉल है, जिससे हत्यारों को अंधेरे में मृतक को फेंकने में आसानी हुई। पहचान उजागर होने के बाद पुलिस अब मृतक के

संपर्कों, मोबाइल लोकेशन और आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा और हत्यारों को गिरफ्तार किया जाएगा।मृतक की पहचान सामने आने के बाद परिवार और इलाके में शोक के साथ-साथ आक्रोश भी बढ़ गया है। पुलिस अब हत्या के पीछे की वजह और घटनाक्रम को जोड़ने में जुटी है।

स्वराज इंडिया
युवक का रस्सी से बंधा शव बोरी में भरकर प्लॉट में फेंका
बर्रा में बदमाशों ने की हत्या

मासूम को बेचने की साजिश नाकाम, पड़ोसी मां-बेटी गिरफ्तार

» नवाबगंज से सकुशल बरामद हुआ दो वर्षीय शिव, पुलिस ने पूरी साजिश से उठाया पर्दा

» कड़ाई से पूछताछ में टूटी शालू, मां मीना संग रची थी मासूम को बेचने की योजना

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। पनकी क्षेत्र में दो वर्षीय मासूम शिव के अपहरण और उसे बेचने की साजिश का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस ने बुधवार को पड़ोस में रहने वाली महिला शालू उर्फ सोनी और उसकी मां मीना को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मासूम को बेचने की फिराक में थीं। पुलिस ने बच्चा नवाबगंज के ख्योरा से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

घटना शनिवार शाम की है। पनकी के रतनपुर निवासी शैलेंद्र सिंह का दो साल का बेटा शिव घर के बाहर खेलते हुए

अचानक गायब हो गया। शैलेंद्र जब घर पहुंचे तो उनकी पत्नी रेखा अर्ध बेहोशी की हालत में मिलीं। वहीं पड़ोसी शालू उर्फ सोनी उनके घर मौजूद थी और उसने रेखा को बिस्तर पर लिटाने तथा बच्चे को दूध पिलाने की कहानी सुनाई। पूरे परिवार को इसी पर सबसे ज्यादा शक हुआ।शैलेंद्र ने तुरंत थाने पहुंचकर शालू पर अपहरण का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। शुरुआती पूछताछ में शालू ने खुद को निर्दोष बताया, जिसके बाद पुलिस ने उसे छोड़ा, लेकिन उस पर कड़ी निगरानी रखी गई।बुधवार को पुलिस ने दोबारा उससे सख्ती से पूछताछ की। दबाव में शालू टूट गई और पूरी साजिश कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसकी मां मीना को गिरफ्तार किया और मीना के पास से ही मासूम शिव को सुरक्षित बरामद कर लिया एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि दोनों महिलाओं ने मासूम को बेचने की योजना बनाई थी। गिरफ्तार मां-बेटी को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है, जबकि मासूम को सुरक्षित परिवार को सौंप दिया गया है।

SIDDHIVINAYAK ENCLAVE
COMMERCIAL CUM RESIDENTIAL

Fully Furnished Flat
•Lift
•Power Backup
For Sale
Ground Floor = Hall (2800sqft.)
1st to 3rd Floor = 3BHK Flat(1550sqft.)
Site Add : Plot No. 600/5, House No. 120/505, Shivji Nagar, Scheme No.1
Kanpur Nagar (Near Shivani Nursing Home)
Near Kanpur Medical Centre Lajpat Nagar, Kanpur
Mob : 9936444099, 7355766844, 9369936943

दिल्ली ब्लास्ट

दिल्ली बम धमाका कनेक्शन

कानपुर देहात में एनआईए ने पेट्रोल पंप पर मारा छापा, मैनेजर हिरासत में

» कई बिन्दुओं पर हो रही है जांच

सुबह पांच बजे जांच एजेंसी ने औरैया पुलिस के साथ की छापेमारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात में औरैया के इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारी और पेट्रोल पंप संचालक कमलकांत वर्मा के मावर स्थित पेट्रोल पंप पर गुरुवार सुबह पांच बजे के करीब राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बंब निरोधक दस्ता व औरैया पुलिस के साथ छापामारी की है। टीम ने पेट्रोल पंप परिसर की सघन तलाशी लेने के साथ सुबह 10 बजे तक कर्मचारियों से पूछताछ की। टीम ने पेट्रोल पंप परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीबीआर, कुछ दस्ताबेज अपने कब्जे में लिए हैं। साथ ही पेट्रोल पंप के मैनेजर को भी हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई है।

15 प्रतिष्ठानों पर देर रात से छापामारी

जानकारों की मानें, तो औरैया के व्यापारी कमलकांत वर्मा पर मनी लॉन्ड्रिंग व हथियारों की तश्करी को लेकर एनआईए की टीम की ओर से उनके आवास सहित 15 प्रतिष्ठानों पर देर रात से छापामारी की जा रही है। इसके तार दिल्ली बम धमाका से जुड़े होने की भी आशंका है।

खेल प्रतियोगिता में दिखा बच्चों का जोश, जीते कई पुरस्कार

» अकबरपुर रनिया में आयोजित खेल स्पर्धा का समापन उत्साह और जोश भरे माहौल में हुआ

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सैकड़ों खिलाड़ियों ने बैडमिंटन, भारोत्तोलन, कबड्डी, दौड़, गोला फेंक, चक्का फेंक और भाला फेंक जैसी प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

पहले ही पल से खिलाड़ियों की ऊर्जा, अनुशासन और खेलभावना देखने लायक रही। प्रतियोगिता के दूसरे दिन सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में रोमांच चरम पर था। गोला फेंक में समीर, अजीत और सौरभ कुमार ने अपने-अपने वर्ग में पहला स्थान हासिल किया, जबकि भाला फेंक में अमन ने बाजी मारी। बालिका वर्ग में अर्शी, तानी और मयंक पाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारोत्तोलन में देवेश, आदित्य पाल, अभिनव, स्वदेश और धर्मेंद्र ने अपने दमखम से सबका ध्यान खींचा। बैडमिंटन में आंशिका, सत्यम, शिवानी शर्मा और नीशू शर्मा विजेता बने। टीम खेलों में माती की कबड्डी टीम और ककरदही की वॉलीबॉल टीम ने शानदार जीत दर्ज की। समापन समारोह की मुख्य अतिथि माननीय मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल केवल पदक की यात्रा नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और नेतृत्व का माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अकबरपुर रनिया के खिलाड़ी जल्द ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरेंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार जताया गया तथा अगले वर्ष स्पर्धा को और भव्य रूप में आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड पर एक भी वाशरूम न होने से महिलाएं परेशान

» यात्रियों ने तत्काल अस्थायी शौचालय बनवाने की मांग उठाई

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड (प्लेटफॉर्म नंबर 9 की ओर) स्टेशन परिसर में चल रहे नवनिर्माण और विकास कार्यों के बीच बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी सामने आ रही है। हालात इतने खराब हैं कि यहां एक भी सार्वजनिक वाशरूम नहीं है। नतीजतन स्टेशन के बाहर लगी टीन शेड की बैरिकेडिंग के किनारे पुरुष खुले में पेशाब करते दिखाई देते हैं, जिससे आसपास अस्वच्छता और बदबू फैल गई है। राहगीरों का गुजरना मुश्किल हो गया है और यात्री नाक पर हाथ रखकर निकलने को मजबूर हैं।सबसे बुरी स्थिति महिलाओं की है। स्टेशन के इस हिस्से में शौचालय की सुविधा न होने के कारण उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। कई महिलाएं मजबूरी में सिर झुकाकर रास्ता पार करती दिखती हैं ताकि खुले में पेशाब करते लोगों को देखकर शर्मिंदगी न झेलनी पड़े यात्री धर्मेंद्र का कहना है कि निर्माण कार्य सालों से चल रहा है लेकिन अस्थायी शौचालय लगाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। बाहर से आने वाले मुसाफिर अपने परिवार के साथ पहुंचते हैं तो उन्हें सबसे पहले शौचालय तलाशने की मशक्कत करनी पड़ती है।यात्री सवाल उठा रहे हैं कि जब स्टेशन की छवि सुधारने के लिए करोड़ों रुपये का विकास कार्य चल रहा है, तो सार्वजनिक सुविधा जैसी मूलभूत जरूरत पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि निर्माण के दौरान अस्थायी शौचालय तत्काल स्थापित किए जाएं, ताकि यात्रियों खासतौर पर महिलाओं की परेशानी दूर हो सके।

ट्रक में फंसे तारों से चार पोल धराशायी, दो छात्र गंभीर घायल

झूलते विद्युत तारों ने मचाई अफरातफरी, कई दिन से झूल रहे थे तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गजनेर कस्बे में गजनेर रायपुर मार्ग स्थित सपना ऑटोमोबाइल्स पेट्रोल पंप के सामने बुधवार दोपहर हादसा हो गया। पंप से डीज़ल लेकर सडक़ पर चढ़ रहे एक भारी ट्रक के केबिन में झूलते विद्युत तार उलझ गए। तारों के फंसते ही पोलों पर असामान्य खिंचाव पैदा हुआ और देखते ही देखते लाइन के चार विद्युत पोल धड़ाम से सडक़ पर आ गिरे, जिनमें से एक पोल सीधे गुजर रहे दो छात्रों की बाइक पर टूटकर गिर पड़ा।

घटना में बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा देकर लौट रहे घाटमपुर निवासी परीक्षार्थी आकाश व अंकित गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक चला रहे आकाश का हेलमेट पोल की सीधी मार से क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गया, जिससे उसके सिर पर गम्भीर चोटें आईं। वहीं पीछे बैठे अंकित के उछलकर दूरी पर गिरने से वह भी घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए भेजा।

दस दिन पूर्व ही क्षतिग्रस्त था पोल

पेट्रोल पंप संचालक अनिल द्विवेदी ने बताया कि लगभग दस दिन पहले पंप के समीप स्थित घरेलू लाइन के पोल को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी थी, जिसके चलते पोल जड़ से उखडक़र धराशायी हो गया था।

विद्युत विभाग ने नया पोल स्थापित कर तार तो जोड़ दिए, किंतु तारों को कसने की प्राथमिक व अनिवार्य प्रक्रिया को पूरी तरह अनदेखा कर दिया। नतीजतन तार अत्यधिक ढीले होकर झूलने लगे थे, जिससे पंप पर आने वाले भारी वाहनों के आवागमन में निरंतर बाधाएँ उत्पन्न हो रही थीं। शिकायतों के बावजूद विद्युत विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही न किए जाने से दुर्घटना की आशंका लगातार बढ़ती रही, और अंततः बुधवार को वही खतरा वास्तविक रूप धारण कर गया।

ट्रक चालक की लापरवाही बनी हादसे की वजह

दोपहर करीब 2 बजे जब ट्रक पंप से डीज़ल लेकर मुख्य सडक़ पर चढ़ रहा था, तभी झूलते तार ट्रक के ऊपरी हिस्से में उलझ गए। चालक ने तारों के फँसने की गंभीरता को नजऱ अंदाज़ करते हुए ट्रक बढ़ाता रहा, जिसके परिणामस्वरूप लाइन के दो पोल व ट्रांसफार्मर लाइन के दो पोल एक के बाद एक टूटकर सडक़ पर बिखर गए। टूटे पोल और गिरते तारों के कारण लगभग एक घंटे तक यातायात पूर्णतः अवरुद्ध रहा। सूचना पर पहुँचे बिजली विभाग और पुलिस कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सडक़ को अवरोधमुक्त कराया, तब जाकर मार्ग पर यातायात पुनः सुचारू हो सका।

भाजपा नेता शिवबरन सिंह ने दी मृतकों को श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। विकास खण्ड क्षेत्र के मोहाना व भदेशा गांवों में बुधवार को सम्पन्न त्रयोदशी अनुष्ठानों में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिवबरन सिंह चौहान ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए दिवंगतों के चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित की तथा शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना अभिव्यक्त की। भदेशा गांव में बीते दिनों आकस्मिक उत्पन्न रोगावस्था के कारण पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह का निधन हो गया था, जबकि मोहाना गांव के युवा उद्यमी विष्णु प्रताप सिंह चौहान दीर्घ रोगव्यथा (कैंसर) से जूझते हुए चिरनिद्रा में विलीन हो गए थे। इन दोनों ही असामयिक विछोहों को लेकर आज त्रयोदशी कर्म-विधि सम्पन्न हुई। शिवबरन सिंह चौहान ने कहा कि दोनों ही व्यक्तित्व ग्राम्य समाज के लिए अनुपमेय क्षति हैं, जिनकी रिक्तता को पूर्ण करना दुष्कर है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा परिवारजनों को धैर्य-बल उपलब्ध होने की प्रार्थना की। इस अवसर पर उनके साथ अरविंद मिश्र सहित अनेक ग्रामीण एवं सम्मानित जन उपस्थित रहे।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटकता मिला निजी बस कंडक्टर का शव

» पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जांच जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। दशहरा गांव के निकट संदिग्ध परिस्थितियों में निजी बस कंडक्टर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता हुआ मिला। सथा राहगीरो ने जब शव को लटकते देखा तो सूचना रसूलाबाद थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत दशहरा और सलेमपुर महेरा गांव के बीच में नमस्ते इंडिया के निकट एक पेड़ से गमछे के सहारे युवक का शव लटकता हुआ मिला।

सलेमपुर महेरा ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह द्वारा फोन पर रसूलाबाद थाना पुलिस को सूचना दी गई तो मौके पर चौकी प्रभारी नार खास रामकिशोर पहुंचे। मृतक के शव की जामा तलाशी लेने पर उसके जेब से आधार कार्ड निकला। जिससे मृतक की रंजीत कुमार पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम आरंग थाना बकेवर इटावा के रूप में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह प्राइवेट बस का कंडक्टर था। वहीं सूचना पर इटावा से उसके परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। बेटे के शव को पेड़ से लटकता देख माँ बिलखकर रोई। वहीं मामले में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घटना के बाबत जांच पड़ताल शुरू की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शर्मनाक

(रूरा में दलित युवती के साथ रेप अपडेट) मामला

दुष्कर्म के आरोपित का चालान, पिता पर शांतिभंग की हुई कार्रवाई

बालिग साबित हुई पीड़िता, पाक्सो की धारा हटाई गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। जांच के दौरान पीड़िता की उम्र 18 वर्ष से अधिक पाए जाने पर पाक्सो एक्ट की धारा हटा दी गई है। वहीं आरोपी के पिता पर साक्ष्य न मिलने पर पुलिस ने उन्हें शांतिभंग की कार्रवाई में एसडीएम कोर्ट भेजा है।

मालूम हो कि रूरा क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने लगभग डेढ़ माह पूर्व गांव के ही आशिक नामक युवक पर पुत्री को घर में खींचकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया था। घटना के बाद मानसिक तनाव में आई युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। स्थिति गंभीर होने के चलते सीओ विवेचक उसके बयान दर्ज नहीं कर सके हैं।पीड़िता के पिता की तहरीर पर रविवार देर रात आशिक और उसके पिता हबीब के खिलाफ दुष्कर्म सहित गंभीर धाराओं के साथ पाक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार को दोनों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। बुधवार को आशिक को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसका चालान कर दिया गया।

जांच में पिता के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की पुष्टि न होने पर पुलिस ने उन्हें शांतिभंग की कार्रवाई में एसडीएम कोर्ट भेजकर मामले की आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान मिलने के बाद ही पूरे प्रकरण की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के चौरा गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगो के द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया।

चिकित्सकों के द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी पुलिस के द्वारा परिजनों को दी गई। जानकारी के अनुसार भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के चौरा गांव के समीप सडक़ पार कर रहे व्यक्ति के अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उसे उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के पास से मिले आईडी से उसकी पहचान बालिस्टर पुत्र मुकुट सिंह निवासी भोगांव जनपद मैनपुरी के रूप में हुई। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी।

प्रमिला कटियार विशेष शिक्षण संस्थान पुखरायां को राष्ट्रपति से मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

दिव्यांग सशक्तिकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए विनोद कटियार को मिला पुरस्कार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां स्थित प्रमिला कटियार विशेष शिक्षण संस्थान को राष्ट्रपति द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण में उल्लेखनीय सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार बुधवार को विज्ञान भवन में प्रदान किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रमिला कटियार के प्रमुख विनोद कटियार पूर्व विधायक भोगनीपुर को पुरस्कार प्रदान किया।

इस अवसर पर प्रमिला कटियार शिक्षण संस्थान के विनोद कटियार ने कहा कि महाविद्यालय दिव्यांग जनों के लिए विगत कई वर्षों से कार्य कर रहा है क्षेत्र के दिव्यांगजनों को चिन्हित कर ट्राई साइकिल बैटरी रिक्शा छड़ी व अन्य उपकरण उपलब्ध कराता है ।

समय-समय पर विद्यालय में शिविर लगाकर दिव्यांग जनों को निशुल्क सर्टिफिकेट भी बनाए जाते हैं दिव्यांग जनों के लिए कार्य कर रही संस्था प्रमिला कटियार की उल्लेखनीय सेवा को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। संस्थान के प्रमुख विनोद कटियार ने राष्ट्रपति का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आज से बिरहर आश्रम में महायज्ञ एवं श्री राम कथा का शुभारंभ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मां भद्रकाली एवं हनुमान जी मंदिर प्रांगण में इस वर्ष भी धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला जारी रहेगी। मंदिर परिसर में 23वां विशाल रूद्र महायज्ञ तथा श्रीमद् भागवत कथा संग श्रीराम कथा का आयोजन 4 दिसंबर 2025, गुरुवार से प्रारंभ होगा। आयोजन समिति के अनुसार कथा वाचन आशीष राघव महाराज द्वारा किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान 7 दिसंबर, रविवार को सामूहिक नि:शुल्क यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया जाएगा। श्रद्धालु परिवार सहित इसमें प्रतिभाग कर सकेंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों की भी व्यवस्था की गई है। 7 दिसंबर- वैष्णवी हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 9 दिसंबर- एसडीएम नेत्रालय की टीम द्वारा नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं दवा वितरण, 12 दिसंबर- डॉ. वी.पी. पांडेय द्वारा नि:शुल्क होम्योपैथिक दवा वितरण होगा।आयोजन की पूर्णाहुति 12 दिसंबर, शुक्रवार को यज्ञ समापन एवं महाप्रसाद वितरण के साथ होगी। कार्यक्रम का संचालन श्री विष्णु फाउण्डेशन (12 एवं 80ज अनुमोदित) तथा टीम सरल उपाय सहज समाधान की ओर से किया जा रहा है। समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं। फाउण्डेशन ने यह भी बताया कि इच्छुक लोग सहयोग राशि उसके अधिकृत बैंक खाते के माध्यम से भेज सकते हैं और भुगतान का विवरण साझा कर सकते हैं।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे मार्च 2026 तक शुरू होगा !

» छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे का निर्माण 5 जनवरी 2022 को आरंभ हुआ था

लखनऊ और कानपुर सहित उर प्रदेश के करोड़ों लोगों को मिलेगी राहत

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। कानपुरङ्कलखनऊ एक्सप्रेसवे के संचालन को लेकर लंबे समय से चल रही प्रतीक्षा अब समाप्त होने की ओर है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) लखनऊ इकाई के परियोजना निदेशक नकुल वर्मा ने कहा है कि एक्सप्रेसवे को मार्च 2026 तक हर हाल में शुरू कर दिया जाएगा। स्कूटर इंडिया चौराहे के पास कुछ अंतिम काम शेष हैं, जिन्हें पूरा होने में दो से तीन माह का समय लगेगा, लेकिन अधिकारी संचालन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं।

छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे का निर्माण 5 जनवरी 2022 को आरंभ हुआ था। लखनऊ के शहीद पथ से शुरू होकर एक्सप्रेसवे बनी, कांथा और अमरसास गाँवों को जोड़ता हुआ कानपुरङ्कलखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग के आजाद मार्ग पर गंगाघाट क्षेत्र में स्थित कडेर पतारी गाँव तक पहुंचेगा। इसे आगे उद्योग पथ, गंगा मार्ग और लखनऊ बाहरी रिंग मार्ग से जोड़ने की तैयारी भी चल रही है।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि देश में पहली बार सड़क निर्माण में स्वचालित बुद्धिमत्ता आधारित यांत्रिक मार्गदर्शन निर्माण तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही

वैश्विक स्थान निर्धारण प्रणाली और त्रि-आयामी मापन तकनीक का भी प्रयोग हो रहा है, जिससे सड़क का स्तर बिल्कुल समतल बनाया जा रहा है। निर्माण एजेंसी का दावा है कि इस तकनीक से तैयार सड़क कम से कम दस वर्ष तक बिना मरम्मत के टिकेगी।

63 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के शुरू होने से प्रतिदिन यात्रा करने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। लखनऊ से कानपुर का सफर कम समय में और बिना बाधा पूरा हो सकेगा। दोनों शहरों के बीच आवागमन सुगम होने के साथ औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

अधिकारियों के अनुसार बचे हुए कार्य को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। एक्सप्रेसवे के शुरू होने पर लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा करने वाले करोड़ों लोगों को बड़ा लाभ होगा।

जयपुर में कल फेरे लेंगे वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय

विवाह से पूर्व वृंदावन स्थित रमणरेती में उनके घर पर हल्दी, संगीत और पारंपरिक रस्मों का आयोजन

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

जयपुर/मथुरा। मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय 5 दिसंबर को जयपुर शहर में परिणय सूत्र में बंधने जा रहे हैं।

देशभर से आए साधु-संतों की पावन उपस्थिति में वे हरियाणा की शिप्रा के साथ होटल ताज आमेर में विवाह संस्कार संपन्न करेंगे। फेरे सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होंगे।

विवाह से पूर्व वृंदावन स्थित रमणरेती में उनके घर पर हल्दी, संगीत और पारंपरिक रस्मों का आयोजन हुआ। बुधवार को दूल्हा बने इंद्रेश उपाध्याय की भव्य निकासी निकाली गई। इसके बाद बारात जयपुर के लिए रवाना हुई।

दूल्हा बने इंद्रेश उपाध्याय ऑफ-व्हाइट शेरवानी, सिर पर पगड़ी और हाथों में चांदी की छड़ी लिए आकर्षण का केंद्र रहे। घोड़ी पर उनके साथ उनकी भांजी भी बैठी थी। बारात में हाथी-घोड़े शामिल रहे, जिसने समारोह की शान और बढ़ा दी। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय इंद्रेश उपाध्याय के विवाह उत्सव को लेकर भक्तों और अनुयायियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

एसआईआरः एक ही मकान पर मिले 45 नाम, 42 फर्जी

» उन्नाव में मतदाता सूची में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

उन्नाव। सदर तहसील के पूरन नगर क्षेत्र में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। एक ही मकान के पते पर मतदाता सूची में 45 लोगों के नाम दर्ज पाए गए, जबकि वास्तविकता में मौके पर सिर्फ तीन व्यक्ति ही रहते मिले। शेष 42 नामों को पूरी तरह फर्जी पाया गया। मामले ने जिला प्रशासन को सकते में डाल दिया है।

आसपास के लोगों और मकान मालिक से पूछताछ में पता चला कि मतदाता सूची में दर्ज 42 व्यक्तियों को कोई नहीं पहचानता। इसे लेकर प्रशासन का ध्यान तुरंत आकर्षित हुआ। मामले की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर एईआरओ और उनकी टीम मौके पर पहुंची। टीम ने विस्तृत जांच करते हुए बीएलओ से जानकारी ली तथा मकान मालिक से भी पूरे प्रकरण की पुष्टि की। इस बाबत जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है और जल्द ही जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला मतदाता सूची की शुचिता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है और प्रशासन अब इसे गंभीरता से जांच रहा है।

कपड़ा कारोबार में टैक्स चोरी का बड़ा खेल खुला

कुमारगंज बाजार में जीएसटी का छापा, कई अनियमितताएं मिलीं

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या।कुमारगंज बाजार में जीएसटी विभाग की टीम ने खण्डासा मोड़ स्थित शुभम वस्त्रालय पर छापा मारा। दस्तावेज़ों की गहन जांच शुरू कर दी। दोपहर बाद से ही असिस्टेंट जीएसटी कमिश्नर सुगंधा सिंह के नेतृत्व में अधिकारी दुकान के बिल, वाउचर और स्टॉक रजिस्टर खंगालते रहे, जिससे पूरे बाजार में हलचल मच गई।

जैसे ही छापे की सूचना फैली, कुमारगंज बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कई दुकानदारों ने बिना देर किए शटर गिरा दिए, तो कई अपने-अपने दस्तावेज़ों और रजिस्टरों को गोपनीय तरीके से व्यवस्थित करने में लग गए। व्यापारियों के बीच चर्चा छिड़ गई कि कई अन्य प्रतिष्ठान भी जीएसटी विभाग के रडार पर हैं और जल्द ही कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है। शुभम वस्त्रालय से जांच टीम ने बड़ी संख्या में बिल,वाउचर,बिक्री/खरीद रजिस्टर, स्टॉक बही,ई-वे बिल जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। ओवर बिलिंग, फर्जी खरीद, बिना चालान बिक्री और इनपुट टैक्स क्रेडिट के दुरुपयोग से जुड़े रिकॉर्ड जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि विभाग को लंबे समय से

कुमारगंज में कपड़ा कारोबार से जुड़ी टैक्स चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। कई व्यापारियों पर कम बिलिंग, बिना जीएसटी लगे माल की बिक्री और बड़े लेनदेन को कैश में छिपाने का आरोप है। इन्हीं शिकायतों के बाद विभाग ने पहला कदम शुभम वस्त्रालय से शुरू किया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी दुकानों पर छापेमारी हो सकती है। टीम कई घंटों तक दुकान में मौजूद रही। कार्रवाई के बाद पूरे बाजार में तनावपूर्ण माहौल है। दुकानदार लगातार एक-दूसरे से जानकारी ले रहे हैं। कई प्रमुख व्यापारी अपने कागजों की पुन- जांच करा रहे है।कुछ दुकानें देर तक बंद रखी गईं यह पहली बार है जब कुमारगंज बाजार में जीएसटी की इतनी बड़ी कार्रवाई हुई है।

अभी केवल दस्तावेज़ों की प्राथमिक जांच हो रही है। पूरा रिकॉर्ड खंगालने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। फिलहाल जांच प्रगति पर है, आधिकारिक बयान बाद में जारी किया जाएगा।

- सुगंधा सिंह
असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी

सरयू की रेत में बिछा अवैध खनन का मायाजाल बेनकाब

अयोध्या के अवैध बालू खनन सिंडिकेट पर सबसे बड़ा खुलासा

» अधिवक्ता प्रवीण दुबे ने सबूतों के साथ प्रेसवार्ता में खोला सरयू की रेत का काला साम्राज्य, पूछा कौन है इस सिंडिकेट का गॉडफादर?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धर्म नगरी अयोध्या में सरयू की रेत पर वर्षों से चल रहे अवैध खनन के मायाजाल को आखिरकार एक अधिवक्ता ने बेनकाब कर दिया है। अधिवक्ता प्रवीण दुबे ने प्रेसवार्ता में दस्तावेज़, फोटो, वीडियो और पट्टा शर्तों के उल्लंघन से जुड़े ठोस सबूतों के साथ दावा किया कि सरयू नदी को संगठित सिंडिकेट द्वारा योजनाबद्ध तरीके से छीलकर करोड़ों का खेल खेला जा रहा है। इस खुलासे ने प्रशासन, खनिज विभाग और राजनीतिक संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि पूरे मामले में भ्रष्टाचार ऐसा जड़ जमा चुका है कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति भी यहां फेल दिखाई दे रही है।

अधिवक्ता द्वारा पेश किए गए सबूतों में पोकलैंड मशीनों से हो रही खुदाई, रात के अंधेरे में ट्रकों की लोडिंग और पट्टा क्षेत्र से बाहर की गई खुदाई शामिल है। यह खुलासा बताता है कि एनजीटी के नियमों को ताक पर रखकर नदी की प्राकृतिक धारा को नुकसान पहुंचाते हुए बड़े पैमाने पर खनन किया गया। दुबे ने अपनी प्रेसवार्ता में दावा किया कि खनिज विभाग का एक अधिकारी हर महीने एक लाख रुपये लेकर इस रैकेट को सुरक्षा देता था। सवाल यह भी—खनन इंस्पेक्टर चंद्रशेखर पाठक अब भी पर्दे के पीछे क्यों? अधिवक्ता ने कहा कि यदि विभाग की अंदरूनी मिलीभगत न होती, तो इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन संभव ही नहीं था।

प्रेसवार्ता में प्रस्तुत दस्तावेज बताते हैं कि फतेहपुर सरैया माझा (गाटा संख्या 13 घ) के वैध पट्टे की आड़ में माझा कला (कोटसराय) में अवैध खुदाई होती रही। मार्च 2025 से मार्च 2030 तक जारी पट्टा केवल एक क्षेत्र के लिए था, मगर माफियाओं ने सीमाएं तोड़कर कई गुना अधिक रेत निकाली।

अधिवक्ता ने बताया कि थाना कैंट पुलिस 29/11 की शाम भारी भीड़ के दबाव में आ गई और कई आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हो पाई। क्या भीड़ जुटाकर पुलिस को डराने की रणनीति अपनाई गई? दुबे के मुताबिक, यह आम अपराध नहीं, सरकार को चुनौती है। अनन्त सिंह, मंडलीय राजपत्रित अधिकारी, पर हुए हमले को अधिवक्ता ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा हमला बताया। उनके अनुसार, हमले और थाने में उपद्रव करने वालों पर अब तक कड़ी कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी नाकामी है।

क्या एसडीएम सोहावल को सब पता था?

बड़े पैमाने पर खनन की जानकारी एसडीएम तक क्यों नहीं पहुंची?

क्या उन्हें जानबूझकर आंखें मूंदने को मजबूर किया गया?

पूरे सिंडिकेट को नेस्तनाबूद करने के लिए उच्चस्तरीय विशेष जांच टीम का गठन हो

आरोपी पक्ष बोलो, हम साजिश के शिकार

राकेश जायसवाल, सरोज जायसवाल सहित नामजद आरोपी खुद को राजनीतिक साजिश का शिकार बता रहे हैं। लेकिन दुबे द्वारा पेश किए गए सबूतों ने उनके दावों को संदेह के घेरे में ला दिया है। अधिवक्ता प्रवीण दुबे की प्रेसवार्ता ने यह साफ कर दिया कि सरयू की रेत का काला खेल सिर्फ खनन माफिया का नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की गहरी मिलीभगत का परिणाम है। अब यह मामला केवल अवैध खनन का नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की जवाबदेही और कानून व्यवस्था की परीक्षा बन चुका है।

रूदौली में दिनदहाड़े अवैध मिट्टी खनन का गोरखधंधा!

» रूदौली पुलिस के सामने से गुजर रहे मिट्टी से भरे ट्रैक्टर!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रूदौली क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का काला कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। पुलिस और खनन विभाग की नाक के नीचे लगातार ट्रैक्टरङ्कट्राली दौड़ रही हैं, लेकिन कार्रवाई नाम की चीज़ नदारद है। यह वही रूदौली क्षेत्र है जहां पुलिस और खनन अधिकारियों की कथित मिलीभगत की चर्चा जोर पकड़ रही है। स्थानीय लोगों द्वारा वायरल किए गए वीडियो में रूदौली ब्लॉक के सामने नेशनल हाईवे पर मिट्टी से लदी ट्रैक्टरङ्कट्रालियां दौड़ती साफ दिख रही हैं।

बताया जा रहा है कि यह पूरा रूट भेलसर चौकी और रूदौली कोतवाली के कवरेज में आता है, फिर भी कोई रोक-टोक नहीं। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

जब पूरे क्षेत्र में वीडियो और तस्वीरें वायरल हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या मिट्टी माफिया पर प्रशासन मेहरबान है? अवैध रूप से निकाली जा रही मिट्टी न सिर्फ सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि भारी ट्रॉलियों का दबाव ओवरलोड चलने वाले वाहनों की वजह से नेशनल हाईवे और ग्रामीण मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

सूत्रों का दावा है कि रूदौली क्षेत्र में दिन के उजाले में ही अवैध खनन 'सेटिंग' के सहारे हो रही है।

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि रूदौली ब्लॉक के सामने हाईवे पर लाइन से मिट्टी से भरी ट्रॉलियां जा रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं क्या खनन माफिया अब इतने बेखौफ हो चुके हैं कि हाईवे को भी अपनी निजी सडक़ समझ बैठे हैं? अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो खनन का यह अवैध साम्राज्य और भी मजबूत होगा। सरकारी राजस्व की चोरी जारी रहेगी। सडक़ों का नुकसान बढ़ता रहेगा और प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल और गहरे होते जाएंगे।

रुदौली सीएचसी के पास ही मिलीं अवैध पैथोलॉजी, चार और सील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिले में फर्जी और अवैध पैथोलॉजी लैब के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की है। पांच स्थानों पर छापा मारकर चार पैथोलॉजी सेंटरों को सील कर दिया गया, जबकि नगरनिगम क्षेत्र के साकेतपुरी में एक लैब संचालक अपना बोर्ड उतारकर फरार हो गया। कार्रवाई में रुदौली सीएचसी से 50 मीटर की दूरी पर चलने वाली दो अवैध पैथोलॉजी भी शामिल हैं। लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध पैथोलॉजी संचालित करने वालों में हड़कंप है।

रिकाबगंज स्थित लाल पैथ लैब की मुख्य शाखा द्वारा एसपी देहात बलवंत चौधरी को गलत मेडिकल रिपोर्ट देने के बाद सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बानियान के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच अभियान चला रही है। देवकाली स्थित स्मार्ट बाजार के निकट मंगलवार को एक पैथोलॉजी निरीक्षण के दौरान अनाधिकृत पाई गई। इसे सील कर दिया गया। वहीं रुदौली में सीएचसी के निकट निरीक्षण के दौरान टीम जय मां डायग्नोस्टिक एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंची। यहां की डायग्नोस्टिक लैब पूरी तरह से अनाधिकृत थी, जिसे सील करा दिया गया। बगल ही डायनो लैब के नाम से एक पैथोलॉजी संचालित थी। वह डायनो से अपना एमओयू नहीं दिखा सका। इसके बाद शुजागंज बाजार में पब्लिक पैथ लैब भी गैर-कानूनी तरीके से मरीजों की जांच कर रही थी। लैब में न तो योग्य पैथोलॉजिस्ट था और न ही क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन। इसे भी सील किया गया। टीम ने रुदौली के मटौली गांव में एक झोलाछाप का फर्जी क्लीनिक भी सील कर दिया।

लखनऊ की महापौर बोलीं- चेक कर रहे एनआरसी

कागज मांगते ही नौकरी छोड़ भागे 160 कर्मचारी

अभियान

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से हैरान कर देने वाली एक खबर सामने आई है। यहां नागरिकता को प्रमाणित करने वाले कागज (दस्तावेज) मांगते ही 160 सफाई कर्मचारी नौकरी छोड़कर भाग गए हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल ने दावा किया है कि उनके द्वारा चलाए गए ऑपरेशन के दौरान 160 कर्मचारी भाग गए। शक है कि वे सब रोहिंग्या, बांग्लादेशी थे। जैसे ही जांच शुरू हुई ये भाग गए। हम आधार चेक कर रहे हैं। ये खुद को असम का बताते हैं तो हम एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) भी चेक कर रहे हैं। बता दें कि ये सभी कर्मचारी कूड़ा प्रबंधन का काम कर रही कंपनी से जुड़े थे। कंपनी ने जब उनसे अभिलेख मांगे तो वे भाग गए।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा कि इनसे कागज मांगे गए थे लेकिन दिखाने से पहले ही जिस दिन इन्हें बुलाया गया था, ये भाग निकले। उन्होंने आशंका जताई कि ये संदिग्ध दिन में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करते हैं और रात में वारदात करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल नवंबर-दिसंबर में एक वारदात हुई थी जिसमें छह लोग पकड़े गए थे। वे सभी रोहिंग्या थे।

उधर, बुधवार को घुसपैठियों के खिलाफ यूपी में अभियान चलाने और हर मंडल में एक डिटेंशन सेंटर बनाने के सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल गुरुवार को ऐक्शन मोड में नजर आईं। उन्होंने लखनऊ में अवैध ढंग से रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का ऐलान किया। अधिकारियों को तत्काल जांच करने और उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। महापौर ने आम लोगों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

झुग्गी बस्तियों में हो रही जांच

लखनऊ की अवैध झुग्गी बस्तियों में लोगों की नागरिकता की जांच की जा रही है। महापौर ने गुडंबा थाने के पास खुद भी मौके पर जाकर जांच-पड़ताल की है। शक है कि लखनऊ में बड़ी संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशी रह रहे हैं। जांच अभियान शुरू होने के बाद वे इधर-उधर भाग गए हैं।

भाजपा की सांसद बांसुरी स्वराज के पिता का निधन

मिजोरम के राज्यपाल की संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

» नई दिल्ली, एजेंसी।

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन हो गया है। पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के पति और बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल ने गुरुवार को आखिरी सांस ली। 73 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। 4 दिसंबर को उन्होंने आखिरी सांस ली। दिल्ली बीजेपी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर स्वराज कौशल के निधन की जानकारी दी है।

स्वराज कौशल, देश के जाने-माने अधिवक्ता रहे। वो मिजोरम के राज्यपाल की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। दिल्ली बीजेपी ने एक्स हैंडल पर पोस्ट में स्वराज कौशल के निधन की जानकारी दी है। साथ ही ये भी बताया कि उनका अंतिम संस्कार 4 दिसम्बर को सायं 4.30 बजे लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा। स्वराज कौशल का जन्म 12 जुलाई 1952 को हुआ था। दिल्ली यूनिवर्सिटी और पंजाब यूनिवर्सिटी से उन्होंने पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने वकालत शुरू की। स्वराज कौशल की पहचान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकीलों में होती थी। वे छह साल तक राज्यसभा में सांसद रहे, साथ ही मिजोरम में राज्यपाल की भी जिम्मेदारी संभाली थी। स्वराज कौशल सबसे कम आयु में राज्यपाल का पद प्राप्त करने वाले व्यक्ति बने थे। 1975 में इनका विवाह सुषमा स्वराज के साथ में हुआ था।

सुषमा स्वराज के पति और बांसुरी स्वराज के पिता

स्वराज कौशल की पत्नी सुषमा स्वराज बीजेपी की दिग्गज नेताओं में थी। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी एनडीए सरकार में उन्होंने विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। अगस्त 2019 में सुषमा स्वराज का निधन हो गया था। सुषमा स्वराज ने दिल्ली की सीएम की भी जिम्मेदारी संभाली थी। अभी स्वराज कौशल और सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज बीजेपी की नेता और दिल्ली से सांसद हैं।

दिल्ली बीजेपी ने एक्स हैंडल पर दी जानकारी

दिल्ली बीजेपी के एक्स हैंडल पर स्वराज कौशल के निधन की जानकारी दी गई है। पोस्ट में लिखा है- सांसद और प्रदेश मंत्री बांसुरी स्वराज के पिताजी स्वराज कौशल जी का आज 4 दिसंबर, 2025 को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार आज 4 दिसम्बर, 2025 को सायं 4.30 बजे लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जायेगा।

पूर्व सांसद धनंजय के साथ हत्या के प्रयास के आरोपी आलोक पर भी कसा जा रहा शिकंजा

आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने एफआइआर की कापी की सार्वजनिक

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। प्रतिबंधित कफ सीरप तस्करी कांड में गिरफ्तार अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद से चर्चा में आया एसटीएफ से बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह का करीबी था। इतना करीबी था कि लखनऊ में वर्ष 2019 में वह धनंजय सिंह के साथ हत्या के प्रयास में सह आरोपी था। दोनों के खिलाफ हजरतगंज थाने में 31 जुलाई 2019 को रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

कफ सीरप तस्करी कांड में अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद से ही आलोक का नाम सामने आने लगा। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने प्रतिबंधित कफ सीरप की तस्करी के मामले से कन्नी काट ली थी, लेकिन सोशल मीडिया पर अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह के साथ उपलब्ध कई फोटो व वीडियो ने इनके साथ दोनों के करीबी रिश्तों को उजागर किया था। आजाद अधिकार सेना ने इस मामले में बुधवार एक एफआइआर की कापी सार्वजनिक की है। यह एफआइआर लखनऊ के हजरतगंज थाने में 31 जुलाई 2019 को दर्ज की गई थी। एफआइआर में पुलिस ने धनंजय के साथ आलोक को सहआरोपी बनाया है। मामला हत्या के प्रयास का है।

मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित कफ सीरप पीने से हुई बच्चों की मौत के मामले की जांच शुरू होने के बाद अब तक अमित सिंह टाटा और आलोक सहित उत्तर प्रदेश से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के साथ पूर्व सांसद के संबंधों के सामने आने के बाद एसेंजियों ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

दोनों के पुराने और करीबी रिश्ते उजागर

आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी को भेजी शिकायत में स्पष्ट तौर पर उल्लेख किया है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच के लिए एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह को तत्काल स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने शिकायत में यह भी लिखा है कि बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के बारे में एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी और आशियाना थाने की एफआइआर की जानकारी सार्वजनिक की है, लेकिन हजरतगंज थाने में दर्ज एफआइआर की जानकारी नहीं दी गई है। इस एफआइआर में धनंजय के साथ आलोक भी आरोपित है। इससे दोनों के पुराने और करीबी रिश्ते उजागर होते हैं।

चार किलो सोना लूट केस में गई थी आलोक की नौकरी

अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद से आलोक सिंह की तलाश शुरू की गई थी और दो दिसंबर को लखनऊ में उसे गिरफ्तार किया गया। बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की नौकरी चार किलो सोना लूट केस में गई थी।

प्रयागराज में तैनाती के दौरान व्यापारी से चार किलो का सोना लूट की जांच में संलिप्तता मिलने पर आलोक सिंह और सुशील पचौरी को बर्खास्त कर दिया गया था। दोनों को जेल भी जाना पड़ गया था। इसके बाद आलोक सिंह को वर्ष 2022 में कोर्ट के आदेश पर बहाल कर दिया गया था।

आलोक फिर बाहुबली पूर्व सांसद की शह पर दबंगई बढ़ाता गया। दोबारा पुलिस की नौकरी मिलने पर भी उसका रवैया नहीं बदला। उसका नाम कई घटनाओं में आने लगा। उसने अपना तबादला यूपी पॉवर कारपोरेशन में करवाया, फिर तैनाती लखनऊ पुलिस लाइन में हो गई। यहां से ड्यूटी लगाने पर भी वह कहीं नहीं जाता था। इसके बाद उसका नाम नाका थाना क्षेत्र में हुई एक लूट में आया। इस आरोप पर उसे लाइन हाजिर कर दिया गया था। आलोक सिंह का नाम गाजियाबाद में दर्ज एफआईआर में भी है।